श्री अरविन्दाष्टोत्तर शतनामावलि

श्री अरविंद सोसायटी

मातृ निलय, फोर्ट रोड

गुलबर्गा - ५८५ १०१

श्री अरविन्दाष्टोत्तर शतनामावलि:

लेखक :

योगि गंगाधर

प्रकाशक :

श्री अरविंद सोसायटी

मातृ निलय, फोर्ट रोड

गुलबर्गा - ५८५ १०१

मुद्रण :

प्रथम - १९९७

रुपये :

रू. ५/-

मुद्रक :

श्री गजानन प्रींटर्स

गुलबर्गा - ५८५ १०१

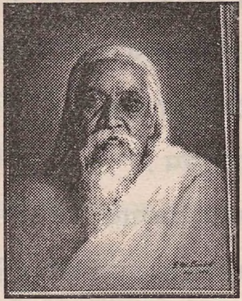

श्री अरविन्दाष्टोत्तर शतनामावलिः

ॐ श्री अरविन्दाय नमः।

ॐ श्री मदनुग्रहरुप - गुरुनाथाय नमः।

ॐ श्री अखण्डात्मानुभवाय नमः।

ॐ श्री अहङ्कारनाशकाय नमः।

ॐ श्री अनन्तकल्याणगुणब्रह्मदर्शकाय नमः।

ॐ श्री द्वैताद्वैतविशिष्टाद्वैत-सर्वदर्शन-समन्वय-सन्दर्शकाय नमः।

ॐ श्री आत्मानन्दाय नमः।

ॐ श्री गुणातीताय नम:।

ॐ श्री हृदयकमल-निवासाय नम:।

ॐ श्री सुन्दरपादारविन्दाय नम:।

ॐ श्री ज्ञानारविन्दाय नम:।

ॐ श्री ब्रह्मसाक्षात्कारस्वरूपाय नम:।

ॐ श्री नादब्रह्मसाक्षात्कारस्वरूपाय नम:।

ॐ श्री समत्वब्रह्मसाक्षात्कारस्वरुपाय नम:।

ॐ श्री चतुर्वेदज्ञानसारस्वरुपाय नम:।

ॐ श्री अज्ञाननाशकाय नम:।

ॐ श्री आनन्दस्वरूपाय नम:।

ॐ श्री शान्तस्वरूपाय नम:।

ॐ श्री भक्तिस्वरूपाय नम:।

ॐ श्री मुक्तिस्वरुपाय नम:।

ॐ श्री भुक्तिमुक्तिप्रदात्रे नम:।

ॐ श्री शुद्धचैतन्यस्वरूपाय नम:।

ॐ श्री चैत्यपुरुषसाक्षात्कारयोक्त्रे नम:।

ॐ श्री शुभेच्छास्वरूपाय नम:।

ॐ श्री नित्याय नम:।

ॐ श्री बुद्धाय नम:।

ॐ श्री शुद्धाय नम:।

ॐ श्री ज्ञानपरमज्योतिर्दर्शकाय नम:।

ॐ श्री निर्गुणब्रह्मणे नम:।

ॐ श्री सगुणब्रह्मणे नम:।

ॐ श्री सगुण-निर्गुण-समन्वय-सामरस्य-स्वरूपाय नम:।

ॐ श्री परिपूर्णपरब्रह्मस्वरूपाय नम:।

ॐ श्री भारतमातु: प्रियपुत्रकाय नम:।

ॐ श्री उत्तम-तपस्विने नम:।

ॐ श्री श्रेष्ठाय नम:।

ॐ श्री महायोगेश्वरेश्वराय नम:।

ॐ श्री पूर्णयोगबोधकाय नम:।

ॐ श्री परिपूर्ण-सर्वविषय-परिशुद्धभोगिने नम:।

ॐ श्री अमरदेहिने नम:।

ॐ श्री भूतल-स्वर्गराज्य-सृष्टिकर्त्रे नमः।

ॐ श्री रूपान्तरकरणोपाय-बोधकाय नमः।

ॐ श्री आत्मसमर्पण-मार्ग-बोधकाय नमः।

ॐ श्री पाण्डिचेरी-दिव्यक्षेत्र-निवासकाय नमः।

ॐ श्री देवजीवन-सङ्घ-प्रतिष्ठापकाय नमः।

ॐ श्री सर्व-वेदान्त-सिद्धान्त-रहस्यवेदिने नमः।

ॐ श्री सर्व भूतात्म भूतात्म-समरस-स्वरुपाय नमः।

ॐ श्री स्वर्णमय-सुन्दरदेहाय नमः।

ॐ श्री विज्ञान-परमज्योतिर्मय-विशेषप्रकाश-विशिष्ट-वदनमण्डलाय नमः।

ॐ श्री मृदुभाषिणे नमः।

ॐ श्री मोहनाशनसमर्थ-ज्ञानाग्निस्वरूपाय नमः।

ॐ श्री विज्ञानप्रकाश-प्रदर्शनसमर्थ-सुन्दरनेत्राय नमः।

ॐ श्री स्वर्ण-पीताम्बरतन्तुसमवर्ण-संदीपितकेशाय नमः।

ॐ श्री दिव्यदेहाय नमः।

ॐ श्री संसारसागर-तरणोपाय-प्रदर्शकाय नमः।

ॐ श्री एकान्तवासिने नम : ।

ॐ श्री ऐकाग्रसिद्धियुक्ताय नम : ।

ॐ श्री सत्ययुगसंदेशहराय नम : ।

ॐ श्री जगन्मिथ्यावाद-निवर्तकाय नम : ।

ॐ श्री चिज्जड-भेदनिवारक-सामरस्य-ज्ञानप्रदात्रे नम : ।

ॐ श्री सर्वोपनिषद्रहस्यानुभव-प्रबोधकाय नम : ।

ॐ श्री प्रणवमन्त्रार्थ-प्रबोधकाय नम : ।

ॐ श्री कालज्ञानमूर्तये नम : ।

ॐ श्री सच्चिदानन्दानुभवस्वरूपाय नम : ।

ॐ श्री सर्वात्मसमरस-समदर्शनज्ञानिने नम : ।

ॐ श्री सर्वयोग-सर्वदर्शन-समन्वय-सामरस्य-प्रबोधकाय नम : ।

ॐ श्री नित्य तृप्ताय नम : ।

ॐ श्री अवाप्त-सर्वकामाय नम : ।

ॐ श्री इह-पर-सुरवप्रदात्रे नम : ।

ॐ श्री काम-क्रोध-नाशकाय नम : ।

ॐ श्री प्रेममूर्तये नम :।

ॐ श्री जनन-मरण-द्वंद्वरूप-बन्धनिर्दहन समर्थोमृतस्वरूपाय नम :।

ॐ श्री जगद्रक्षक-सद्गुरु-श्रीअरविन्दाय नम :।

ॐ श्री अविद्यानाशकाऽग्नये नम :।

ॐ श्री भेदाभेद-विद्याऽविद्याऽतीताय नम :।

ॐ श्री सर्व प्रपञ्चस्थित-नामरूपस्वरूप-सर्वात्मदर्शिने नम :।

ॐ श्री दीर्घदर्शिने नम :।

ॐ श्री परिपूर्ण-परब्रह्मानुभव प्रसादित-कविताप्रवाहरुप-गङ्गासुस्नातकाऽमरकवये नम :।

ॐ श्री मन: प्राण देह-दिव्यरुपान्तर करणक्षम-विज्ञानतेजोमय-सर्वज्ञाय नम :।

ॐ श्री स्थितप्रज्ञाय नम :।

ॐ श्री परम धर्ममूर्तये नम :।

ॐ श्री प्रेमलावण्यप्रवाह-कोटिसूर्य प्रकाशमानाय नम :।

ॐ श्री ब्रह्मसूत्र सारांश-पूर्णसत्य प्रभोधकाय नम :।

ॐ श्री सर्वपाप-संहारकाय नम:।

ॐ श्री वेद-वेदान्त-सर्वविद्यावेदिने नम:।

ॐ श्री नवतत्व-नवीनदर्शन-प्रदर्शकाय नम:।

ॐ श्री नव्याऽऽध्यात्मिक-भारतपित्रे नम:।

ॐ श्री अध्यात्म-नवयुग-सृष्टिकर्त्रे नम:।

ॐ श्री दिव्यजीवन-नव्यादर्शनरोत्तमाय नम:।

ॐ श्री नवमानव-समुदाय-शिल्पिने नम:।

ॐ श्री मृत्युदेवता-संहारकाय नम:।

ॐ श्री ब्रह्म विष्णु महेश्वर-त्रिमूर्ति साक्षिणे नम:।

ॐ श्री प्रलय कालरुद्राय नम:।

ॐ श्री परब्रह्म-परमानन्द-ताण्डवनटराजाय नम:।

ॐ श्री सर्वदेह-सर्वहृदय गुहावासिने नम:।

ॐ श्री अतिमानसरूप-विज्ञानदीर्घदृष्टये नम:।

ॐ श्री अरविन्द-नामामृतवारिनिधये नम:।

ॐ श्री ज्योतिर्मय-हिमगिरि-समानाय नम:।

ॐ श्री अस्मदीय-जन्मजन्मान्तरकृत-सुकृत बलस्वरुप-गुरुवे नम:।

ॐ श्री सावित्रि नामकाऽमर-काव्य-कवये नम:।

ॐ श्री दिव्यजीवन-महाग्रन्थराज-रचयित्रे आचार्याय नम:।

ॐ श्री भगवद्गीता-नव्यमहाभाष्यकर्त्रे नम:।

ॐ श्री वासुदेव: सर्वमिति-ज्ञानरुपाय नम:।

ॐ श्री ईशावास्यमिदं सर्वमितिज्ञानरुपाय नम:।

ॐ श्री महासिद्धपुरुषाय नम:।

ॐ श्री पुरुषोत्तमाय नम:।

ॐ श्री प्रकृतिपुरुषस्वरुपाय नम:।

ॐ श्री पराशक्तियुक्त-परमानन्दाय नम:।

ॐ श्री मातारविन्दाय नम:।

– योगि गंगाधर